राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चत्तर माध्यमिक पाठ्यक्रम - राजनीति विज्ञान
पाठ 21: जनमत तथा दबाव समूह
कार्यपत्रक**–21**

Q.1 "लोगों के विचार और हित लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल हैं**",** दिए गए कथन पर अपने विचार लिखिए।

Q.2 हर सरकार जनता की भावनाओं और विचारों का सम्मान करती है और उसके अनुसार काम करती है**,** इस कथन के संदर्भ मे सरकार के लिए सार्वजनिक दृष्टिकोण के महत्व को लिखिए।

Q.3 "जनमत को आम तौर पर जनता की राय के रूप में समझा जाता है"**,** इस कथन के प्रकाश में दोनों के बीच अंतर को अपने शब्दों मे लिखिए।

Q.4 जनता की राय किसी विशेष व्यक्ति की राय या बहुमत की राय नहीं है **,** इस कथन के संदर्भ में जनमत की विशेषताओं की सूची बनाइए।

Q.5 "लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोकतांत्रिक संचार के सफल संचालन के लिए जनमत आवश्यक है ", इस कथन की अपने शब्दों मे व्याख्या कीजिए।

Q.6 जनता की राय नागरिकों में व्यापक जागरूकता और विभिन्न दृष्टिकोणों को बढ़ावा देती है**,** कथन के संदर्भ में अपने विचार उपयुक्त उदाहरण सहित व्यक्त कीजिए।

Q.7 जनमत के निर्माण के लिए कोई निश्चित या स्वचालित प्रक्रिया नहीं है**,** इस कथन के संदर्भ में निम्नलिखित के उत्तर दीजिए**,**

ए) जनमत बनाने के लिए राजनीतिक समाजीकरण की भूमिका।

बी) जनमत बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया का योगदान।

Q.8 "स्वैच्छिक समूह" समाज में व्यक्तियों के विशेष हितों की रक्षा करते हैं **,** इस कथन के संदर्भ में स्वैच्छिक समूह का अर्थ और परिभाषा लिखिए।

Q.9 दबाव समूह को उनके उद्देश्यों के अनुसार विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है**,** कथन के संदर्भ में व्यवसाय दबाव समूह और संस्थागत दबाव समूह के बीच का अंतर उदाहरण सहित लिखिए।

Q.10 दबाव समूह सरकार की प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए विभिन्न तरीके अपनाते हैं" दिए गए कथन की व्याख्या करें और दबाव समूहों के कार्य करने के तरीके लिखिए।